अध्याय - 3
विधियॉ

न्यादर्श विधि –

इस शोध कार्य के लिए सोद्देशीय प्रतिचयन विधि को अपनाया गया तथा सुविधानुसार विधि का भी उपयोग किया इस शोध कार्य का उद्देश्य विद्यालय मे दृष्टिहीन विद्यार्थीयो के समेकन सबधी धारणा का अध्ययन करना है ।

न्यादर्श का चयन -

इस शोध कार्य मे म0प्र0 राज्य के भोपाल शहर से शा0 बालक मा0 विद्यालय भेल बरखेडा का न्यादर्श हेतु चयन किया । इस विद्यालय से प्राथमिक एव पूर्व माध्यमिक स्तर के कुल 37 विद्यार्थीयो के न्यादर्श के रुप मे चयन किया गया जिनमे 12 दष्टिहीन तथा 25 सामान्य विद्यार्थी है ।

प्राथमिक स्तर पर कक्षा 2 मे 4,व कक्षा 3 मे 1, और कक्षा 4 मे 2,कक्षा 5 मे 1, दृष्टिहीन विद्यार्थी है तथा पूर्व माध्यमिक स्तर पर कक्षा 6 मे एक और कक्षा 7 मे दो दृष्टिहीन विद्यार्थी है । जो सोद्देशीय न्यादर्श है । सामान्य विद्यार्थीयो का न्यादर्श चयन सुविधानुसार प्राथमिक स्तर पर कक्षा 4 के 11 विद्यार्थी तथा पूर्व माध्यमिक स्तर पर कक्षा 7 के 14 विद्यार्थीयो का चयन किया गया।

'न्यादर्श–तालिका'

	प्राथमिक कक्षा	दृष्टिहीन विद्यार्थी	सामान्य विद्यार्थी
	1	0	
	2	4	
	3	1	
	4	3	11
	5	1	
प्राथमिक योग	9		11
पूर्व माध्यमिक कक्षा			
	6	1	
	7	2	14
पूर्व प्राथमिक कक्षा			
	8		14
पूर्व उच्च प्राथमिक योग	3		14
एकल योग	12		25

उपकरण -

दृष्टिहीन विद्यार्थीयो की समेकित शिक्षा का ध्यान मे रखकर निर्देशक तथा शोधकर्ता ने विचार विमर्श कर निम्नलिखित उपकरणो का निर्माण किया –

(1) दष्टिहीन विद्यार्थी के लिए प्रश्नावली,
(2) सामान्य विद्यार्थी के लिए प्रश्नावली,
(3) शिक्षको / शिक्षिका के लिए प्रश्नावली,
(4) प्रशासक के लिए प्रश्नावली,
(5) दृष्टिहीन विद्यार्थी के लिए प्रश्नावली,
(6) सामान्य विद्यार्थी के लिए साक्षात्कार,
(7) अवलोकन सारणी,

(1) **दृष्टिहीन विद्यार्थी के लिए प्रश्नावली –**

यह प्रश्नावली प्राथमिक एव पूर्व माध्यमिक स्तर के विद्यार्थीयो के लिए तैयार की गई प्रश्नावली मे कुल 22 प्रश्न है, जिनमे 4 शैक्षणिक समेकन सबधी प्रश्न व 16 सामाजिक समेकन सबधी प्रश्न है ।अतिम दो प्रश्नो पर विद्यार्थीयो से विचार प्राप्त करने है । इस प्रश्नावली का उद्देश्य दष्टिहीन विद्यार्थी से समेकन सबधी धारणा को ज्ञात करना है । इस प्रश्नावली मे 18 प्रश्न विकल्पिय है, जिसमे विद्यार्थी प्रश्न के जिस विकल्प से सहमत होगा, उस पर विज्ञान लगायेगा ।

(2) सामान्य विद्यार्थी की प्रश्नावली –

यह प्रश्नावली प्राथमिक व पूर्व माध्यमिक स्तर के दृष्टिहीन विद्यार्थी के लिए तैयार की गई । प्रश्नावली मे कुल 22 प्रश्न है जिनमे 4 शैक्षणिक व 16 सामाजिक समेकन सबधी प्रश्न है, तथा दो प्रश्नो पर विद्यार्थीयो को अपने विचार देने है 18 प्रश्न त्रिविकल्पीय है जिसमे विद्यार्थी प्रश्न के जिस विकल्प से सहमत होगा उस पर निशान लगायेगा । इस प्रश्नावली का उद्देश्य सामान्य विद्यार्थीयो से विद्यालय मे दृष्टिहीन विद्यार्थीयो समेकन सबधी धारणा को ज्ञात करना है इस प्रश्नावली का उद्देश्य दृष्टिहीन व सामान्य दोनो ही विद्यार्थीयो के लिए प्रश्नावली मे एक जैसे ही प्रश्न है ।

(3) **शिक्षक व शिक्षिका के लिए प्रश्नावली -**

यह प्रश्नावली शिक्षक/शिक्षिकाओ के लिए तैयार की गई । इस प्रश्नावली के द्वारा शिक्षक/शिक्षिकाओ से विद्यालय मे दृष्टिहीन विद्यार्थीयो के समेकन सबधी धारणा को ज्ञात करना । इस प्रश्नावली मे 20 प्रश्न है जिसमे 19 प्रश्न त्रिविकल्पीय है और एक प्रश्न पर सुझाव प्राप्त करना है । 6 प्रश्न शैक्षणिक और 13 प्रश्न सामाजिक समेकन सबधी धारणा को ज्ञात करना है ।

(4) **प्रशासक के लिए प्रश्नावली :-**

इस प्रश्नावली के द्वारा प्रशासक से विद्यालय मे दृष्टिहीन विद्यार्थीयो के समेकन सबधी धारणा को ज्ञात करना है । इस प्रश्नावली मे कुल 14 प्रश्न है जिसमे 2 शैक्षणिक और 11 सामाजिक समेकन सबधी प्रश्न है और 1 प्रश्न पर सुझाव प्राप्त करना है ।

(5) **दृष्टिहीन विद्यार्थी के लिए साक्षात्कार** –

यह साक्षात्कार प्राथमिक एव पूर्व माध्यमिक स्तर के विद्यार्थीयो लिए तैयार किया गया है । साक्षात्कार मे 10 प्रश्न है । प्रश्नावली के ही 10 प्रश्नो को लेकर विदयार्थी से विस्तत जानकारी प्राप्त करनी है ।

(6) **सामान्य विद्यार्थी के लिए साक्षात्कार** -

यह साक्षात्कार भी प्राथमिक व पूर्व माध्यमिक स्तर के विद्यार्थीयो के लिए तैयार किया गया । इस साक्षात्कार मे भी 10 प्रश्न है । यह भी प्रश्नावली से इन्हे भी प्रश्नावली से चयनित किये गये जिन पर विस्तृत जानकारी चाही गई है ।

(7) **अवलोकन सारणी** –

इस उपकरण के प्रयोग के द्वारा वस्तु स्थिति का अध्ययन करना था । अध्ययन से सबधीत कुछ बिन्दु ऐसे थे जिनके सबध मे कोई अधिक उपयुक्त सूचना नही दे सकते थे अत ऐसे बिन्दुओ को लेकर अवलोकन सारणी तैयार की गई ।

पूर्वगामी परीक्षण –

इस अध्ययन हेतु पूर्वगामी परिक्षण के लिए 2 विद्यार्थीयो को चुना जिन्होने सभी प्रश्नो को हल किया जिससे उनके द्वारा लगाये गये समय का भी पता चलता है कि लगभग 40 मिनिट मे विद्यार्थी पूरा कर लेते है ।

प्रदत्त सकलन –

शोध कर्ता ने सर्वप्रथम शा0 बालक मा0 विद्यालय मे जाकर प्राचार्य से समय लिया और उन्हे इस शोध कार्य के विषय मे बताया तथा उन्हे सभी उपकरणो के विषय मे जानकारी दी गई तथा उनके द्वारा दिये गये समय पर पहुचकर कक्षा मे उपस्थित शिक्षक से बात की फिर विद्यार्थीयो को प्रथमत यह बताया की यह परीक्षण आपके विषय से सबधित परिणाम को प्रभावित नही करेगा और इसके उत्तरो की जाच आपके शिक्षक

नही करेगे और इसके परिणाम के बारे मे आपके स्कूल मे नही बताया जायेगा । जिससे विद्यार्थी अभिप्रेरित हुए सामान्य वार्तालाप किया इस प्रकार विद्यार्थीयो ने प्रश्नावलियॉ भरवाई तथा उनसे साक्षात्कार लिये गये। इसके पश्चात 7 दिन तक वस्तुस्थिति अवलोकन किया गया तथा शिक्षिक / शिक्षिकाओ तथा प्रशासक से भी प्रश्नावली भरवाई गई । इस प्रकार प्रदतो को सकलन किया गया । तत्पश्चात सारणीयण किया गया जिसमे सही गलत या अनिश्चित उत्तरो को पृथक–पृथक किया गया ।

प्रयुक्त साख्यिकी –

परीक्षण विकसित करने एव प्रदत्तो के विश्लेषण करने हेतु केवल 'टी' परीक्षण का प्रयोग किया गया है ।